12. उत्तरकालीन मुगल सम्राज्य

जिस मुगल साम्राज्य ने सम्पूर्ण संसार को अपने विस्तृत प्रदेश, विशाल सेना तथा सांस्कृतिक उपलब्धियों से चकाचौध कर दिया था, अठारही शताब्दी के आरम्भ में वह अवनति की ओर जा रहा था। औरंगजेब का राज्यकाल मुगलों का सांध्यकाल था। साम्राज्य को अनेक व्याधियों ने घेर रखा था और यह रोग शनैः शनैः समस्त देश में फैला रहा था। औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात् आने वाले 52 वर्षों में 8 सम्राट दिल्ली के हिंसासन पर आरूढ़ हुए। भारत के भिन्न-भिन्न भागों में देशी और विदेशी शक्तियों ने अनेक छोटे-बड़े राज्य स्थापित किए।

1737 में बाजीराव प्रथम और 1739 में नादिर शाह के दिल्ली पर आक्रमणों ने मुगल साम्राज्य के खोखलेपन की पोल खोल दी और 1740 तक यह पतन स्पष्ट हो गया।

- 1526 - 1707 तक मुगल
- 1707 -1857 तक उत्तरवर्त्ती मुगल
- **बहादुर शाह प्रथम (1707-12) :**
- औरंगजेब के बाद मुगल सत्ता कमजोर होने लगी और गद्दी के लिए संघर्ष में वजीर शासक से अधिक शक्तिशाली होने लगे। बहादुर शाह प्रथम के बाद।
- उपाधी शाहे वेखबर
- गुरू गोविन्द सिंह से मित्रवत्त सम्बंध किन्तु वंदा बहादुर जो सिखों का नया नेतृत्व कर्त्ता था से संघर्ष।
- जाजिया की दरों में कमी की और मराठो को कुछ अधि कार बढ़ाया।

जहांदर शाह (1712-13)

- उपाधी लम्पट मुर्ख।
- इरानी मूल के वजीर जुल्फिकार खां के समर्थन से शासक बना।

फर्रूखसियर (1713-19)

- कृणित कायर
- हिन्दुस्तानी समूह के सैयद बन्धु ने शासक बनाया जिसे राजा बनाने वाले की उपाधी दी। बाद में फर्रूखसियर से इनके कटु सम्बन्ध तो इन्होने इसकी हत्या करवा दी।
- फर्रूखसियर ने बंदा बहादुर को मौत की सजा दी। 1717 मे अंगेजों को फरमान देकर उनकी महत्वाकंक्षा को बढ़ा दिया।

मौहम्मद शाह (1719-48)

- उपाधी रंगीला।
- उसका वास्तविक नाम रोशन अक्खतर था।
- तुरानी समुह के निजाममुल्क के सहयोग से बना।
- जजिया की समाप्ती।
- उर्दू भाषा को प्रभावी संरक्षण व लोकप्रिय बनाया।
- फूलबालों की सैर नामक महोत्सव शुरू किया जो आज भी जारी है।

शाह आलम द्वितीय (1759-06)

- इसके शासनकाल में 1803 मे अंगेजों ने पहली बार लार्ड लेक के नेतृत्व मे लाल किले पर झण्डा फैराया और आफ्टर लोनी ने लाल किले में पहला बिट्रिश टेजीमेन्ट बनाया।

अकबर द्वितीय

- राम मोहन राय को राजा की उपाधी दी।

बहादुर शाह द्वितीय (1837-57)

- जफर उपनाम में शायरी लिखते थे।
- इनके बाद अंग्रेजों ने मुगल सत्ता समाप्त कर अपना प्रत्यक्ष नियंत्रण के बाद इन्हें रंगून (यांगून) निर्वासित कर दिया और इनकी मजार वही स्थापित है।